SHODH SAMAGAM

ISSN : 2581-6918 (Online), 2582-1792 (PRINT)

पॉलिटेक्निक संस्थानों में डिजिटल पुस्तकालय की ओर बढ़ते कदमः रायपुर, बिलासपुर और दुर्ग की स्थिति

लुकेश कुमार मिर्चे, पुस्तकालय एवं सूचना विज्ञान
मैट्स विश्वविद्यालय, रायपुर, छत्तीसगढ़, भारत
प्रमोद रॉय, लाईब्रेरी प्रोफेशनल
आरंग, रायपुर, छत्तीसगढ़, भारत

ORIGINAL ARTICLE

Authors
लुकेश कुमार मिर्चे
प्रमोद रॉय
E-mail : mirche32@gmail.com

shodhsamagam1@gmail.com

Received on : 27/06/2025
Revised on : 28/08/2025
Accepted on : 06/09/2025
Overall Similarity : 00% on 29/08/2025

शोध सार

प्रस्तुत शोध छत्तीसगढ़ के रायपुर, बिलासपुर एवं दुर्ग क्षेत्रों के पॉलिटेक्निक कॉलेजों के पुस्तकालयों में पुस्तकालय सॉफ्टवेयर अपनाने और कार्यान्वयन का परीक्षण करता है। जैसे–जैसे शैक्षणिक संस्थानों के डिजिटल परिवर्तन की माँग बढ़ रही है, वैसे – वैसे सेवा और कार्य कुशलता बढ़ाने के लिए पुस्तकालय स्वचालन आवश्यक हो गया है। इस अध्ययन का उद्देश्य यह जानना है कि किस प्रकार के सॉफ्टवेयर का उपयोग पॉलिटेक्निक कॉलेज पुस्तकालयों में किया जा रहा है, और अपनाने का स्तर, सामने आने वाली समस्याएँ एवं पुस्तकालय कर्मचारियों का व्यवहार कैसा है। 13 पुस्तकालयों का एक संरचित प्रश्नावली के माध्यम से सर्वेक्षण किया गया और 100 प्रतिशत प्रतिक्रिया दर प्राप्त हुई। आँकड़ों का विश्लेषण करने के लिए SPSS और MS Excel का उपयोग किया गया और परिणाम तालिकाओं और ग्राफ में प्रदर्शित किए गए। परिणाम दर्शाते हैं कि यद्यपि 70 प्रतिशत पुस्तकालयों ने कोहा, SOUL और ई–ग्रंथालय सॉफ्टवेयर जैसे स्वचालन उपकरण लागू कर दिए हैं, फिर भी वित्तीय बाधाएँ, प्रशिक्षण आवश्यकताएँ और उचित प्रशिक्षित कर्मचारी का अभाव जैसी कई बाधाएँ हैं जो पूर्ण पैमाने पर कार्यान्वयन एवं उपयोग में बाधा डालती हैं। अधिकांश पुस्तकालय कर्मचारियों ने पुस्तकालय सॉफ्टवेयर के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण प्रदर्शित किया, हालाँकि अभी भी स्थाई और विरोधाभाषी विचार मौजूद हैं। अध्ययन द्वारा बेहतर वित्त पोषण, प्रशिक्षण और प्रशासन का अच्छा उपयोग करके पुस्तकालय सॉफ्टवेयर को अपनाने और सुधार की अनुशंसा की गई हैं।

मुख्य शब्द

पुस्तकालय, सॉफ्टवेयर, पॉलिटेक्निक कॉलेज, स्वचालन, डेटा.

परिचय

आज के नवीन एवं डिजिटल युग में, पुस्तकालयों का कार्य केवल पुस्तक उधार देने तक नही रहा बल्कि अत्याधुनिक तकनीकों का चयन करकें सूचना सेवाओं की एक विशाल श्रृंखला को शामिल करना औंर उस तक पहुँच प्रदान करना है। पुस्तकालय प्रबंधन सॉफ्टवेयर में सभी प्रकार के संसाधनों के प्रबंधन और उनकी पुर्नप्राप्ति को सुगम बनाने के लिए, पुस्तकालयों को अच्छें एवं उच्च–गुणवत्ता वाले एकीकृत सॉफ्टवेयर की आवश्यकता होती है, जिसमें अत्याधुनिक सूचना पुर्नप्राप्ति उपकरण शामिल होतें हैं। ऐसे सॉफ्टवेयर का उपयोग विशेष रूप से शैक्षणिक संस्थानों जैसे पॉलिटेक्निक कॉलेजों में महत्वपूर्ण है, जहाँ छात्र–छात्रायें और संस्था कें सदस्य शोध और अध्ययनों के लिए आवश्यक पुस्तकालय सेवाओं पर निर्भर करते हैं। पॉलिटेक्निक कॉलेज पुस्तकालयों में पुस्तकालय सॉफ्टवेयर के कार्यान्वयन के कई लाभ हैं, जिनमें स्वचालित कैटलॉगिंग, संचलन नियंत्रण, डिजिटल संसाधनों तक पहुँच और आसान एवं सरल खोज सुविधाएँ शामिल हैं लेकिन अपनाने कें स्तर पर, आने वाली समस्याएँ और इन साधनों की प्रभावशीलता संस्थानों में अलग–अलग होती है। यह कुछ ऐसा है जिसे नीति निर्माताओं, पुस्तकालयाध्यक्षों और शैक्षणिक प्रशासकों को पुस्तकालय सॉफ्टवेयर के उपयोग को अधिकतम करने के लिए समझने की आवश्यकता होंती है।

वर्तमान शोध छत्तीसगढ़ के रायपुर, बिलासपुर एवं दुर्ग संभागों में पॉलिटेक्निक कॉलेज पुस्तकालयों में पुस्तकालय सॉफ्टवेयर के कार्यान्वयन की समीक्षा करना चाहता है। यह कार्यान्वित सॉफ्टवेयर की प्रकृति, कार्यान्वयन की प्रकृति, सामना की जाने वाली समस्याओं और पुस्तकालय कर्मचारियों के दृष्टिकोण की पहचान करता है। इसकी प्रभावशीलता की दिशा में इन क्षेत्रों की जांच करके, अनुसंधान को इस क्षेत्र में पुस्तकालय स्वचालन की स्थिति का पता लगानें और सुधार की दिशा में कदम बढ़ानें की आशा है।

साहित्य समीक्षा

मुहम्मद कासिम और मुहम्मद अहमद शाह, (2023) के शोधपत्र में ''पाकिस्तान के फैसलाबाद संभाग के विश्वविद्यालय पुस्तकालयों में पुस्तकालय स्वचालन की स्थिति और चुनौतियों पर एक शोध'' में, फैसलाबाद संभाग के विश्वविद्यालय पुस्तकालयों में पुस्तकालय स्वचालन प्रणालियों के आंशिक रूप से अपनाए जाने पर चिंता व्यक्त की। शोध से पता चला कि अधिकांश संस्थानों ने KOHA सॉफ्टवेयर का चयन किया था, जो एक ओपन–सोर्स प्लेटफॉर्म है, और अपनी अनुकूलन क्षमता के लिए प्रसिद्ध है। इतनें प्रगति के बावजूद भी, कई चुनौतियाँ पूर्ण स्वचालन में बाधा डालती हैं, जिनमें सीमित वित्तीय बजट, कर्मचारियों के लिए अपर्याप्त आईसीटी प्रशिक्षण और संस्थागत समर्थन कि कमी शामिल हैं। हालाँकि पुस्तकालयाध्यक्षों ने KOHA की कार्यक्षमता से सामान्य संतुष्टि व्यक्त की, औंर स्थापना के दौरान कई सारें कठिनाइयों की सूचना दी तथा बहुभाषी समर्थन जैसी उन्नत सुविधाओं की कमी की ओर इशारा किया। लेखकों ने पुस्तकालयों में अधिक कुशल स्वचालन को सुगम बनाने के लिए वित्तीय निवेश बढ़ाने, पेशेवर कर्मचारियों की नियुक्ति करने और प्रशिक्षण एवं समन्वय को बढ़ाने की सलाह दी।

नूर अमीराह, नोर सादाह और नूरुल आइनीए (2023) के शोधपत्र में मलेशियाई विश्वविद्यालय के पुस्तकालयों में कोहा कैटलॉगिंग मॉड्यूल के उपयोंग की जाँच, उनका कार्य औंर प्रक्रियाविधि, में आने वाली समस्याओं और पुस्तकालय प्रक्रियाओं में इस मॉड्यूल के उपयोग के परिणामों पर निर्भर है तथा यह शोध आवश्यक दृष्टिकोंण प्रदान करता है। यह प्रभावी कार्य करनें में सहायता करनें वाले प्रमुख कारकों से संबंधित शोध में कमी की पहचान करता है औंर भविष्य के शोध में कैटलॉगिंग अभ्यास और संसाधन खोज को बेहतर बनाने में मॉड्यूल की प्रभावशीलता के बारे में पुस्तकालय कर्मचारियों की राय एवं मत की जाँच की जा सकती है। उपयोगकर्ता संतुष्टि, मेटाडेटा गुणवत्ता और कैटलॉगिंग दक्षता पर मॉड्यूल की प्रभावशीलता का मूल्याकंन करने वाला अनुभवजन्य शोध शैक्षणिक वातावरण में इसके महत्व के बारे में और अधिक जानकारी प्रदान करेगा।

ड्रुस्कैट, बर्टुच और स्ट्रक, (2023) ने ''शोध सॉफ्टवेयर–तैयार पुस्तकालयों'' का विचार प्रस्तुत किया, जिसमें सफल एकीकरण के लिए सेवाओं, बुनियादी ढाँचे और नीतियों के साथ–साथ शोध सॉफ्टवेयर की देखभाल के लिए पुस्तकालयों की तत्परता के स्तर को प्रस्तुत किया गया। यद्यपि यह लेख बुनियादी अवधारणाओं को प्रस्तुत करता है, यह स्वीकार करता है कि इस कार्य के लिए तैयार होने हेतु पुस्तकालयों को जिन विशिष्ट मुद्दों और अवसरों से जूझना पड़ता है, उन पर शोध का अभाव है। शोध सॉफ्टवेयर के विकास, परिनियोजन और प्रसार को सुगम बनाने में शोधकर्ताओं और पुस्तकालय कर्मचारियों के अनुभवों का अधिक शोध किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त, अनुभवजन्य अध्ययन शोध में सॉफ्टवेयर–तैयारी के विद्वानों की उत्पादकता, पुनरुत्पादन क्षमता और सहयोग पर पड़ने वाले प्रभाव का अध्ययन कर सकते हैं, जिससे विद्वानों के बीच संचार को बेहतर बनाने में इसकी प्रभावशीलता के प्रमाण मिल सकते हैं।

मुनिराज, ए. (2021 जून) आज कें समय में पुस्तकालय स्वचालन व्यवसाय में एक चर्चित शब्द बन गया है और सभी पुस्तकालयों के लिए एक बहूत आवश्यकता बन गया है। एक स्वचालित पुस्तकालय अपने उपयोगकर्ताओं को सॉफ्टवेयर के माध्यम सें बेहतर सेवाएँ प्रदान कर सकता है एवं पुस्तकालय का अच्छा रखरखाव और अधिक सुचारू रूप से संचालित कर सकता है, जो एक मैनुअल या सामान्य पुस्तकालय नहीं कर सकता। एक स्वचालित पुस्तकालय प्रणाली में रिकॉर्ड रखने की गतिविधियाँ और विभिन्न रिपोर्ट तैयार करना सॉफ्टवेयर कें माध्यम सें बहुत आसान हो जाता है लेकिन किसी भी पुस्तकालय स्वचालन औंर कार्यक्रम की सफलता उसकी बजट, उचित योजना और क्रियान्वयन पर निर्भर करती है इसलिए पुस्तकालय कर्मचारियों को सही दिशा में सही काम करने की जरूरत होंती है।

भारत के प्रधानमंत्री ने हाल ही में पूर्वोत्तर भारत और जम्मू–कश्मीर के कॉलेज पुस्तकालयों के लिए SOUL सॉफ्टवेयर खरीदने हेतु विशेष अनुदान की घोषणा की है ताकि वे बदलते समय के अनुरूप अपने पुस्तकालयों को बदल एवं स्वचालित कर सकें। भारत के पुस्तकालय विद्यालयों ने अपने शैक्षणिक कार्यक्रमों में पुस्तकालयों में कंप्यूटर उपयोंग पर शोध–प्रबंध शामिल किया है। इसके अलावा, विभिन्न संगठन कार्यरत पुस्तकालय कर्मियों के लिए कंप्यूटर अनुप्रयोग पर सेवाकालीन प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित कर रहे हैं क्योंकि स्वचालित पुस्तकालय प्रणाली में इस बदलाव में जनशक्ति विकास एक महत्वपूर्ण कारक है, इसलिए कर्मियों का प्रशिक्षण अनिवार्य है।

Japheth Abdulazeez YAYA, (2023) यह शोंध पुस्तकालय सेवाओं की वृद्धि और विकास पर पुस्तकालय प्रबंधन सॉफ्टवेयर के प्रभाव की जांच करता है। यह निम्नलिखित शीर्षकों एवं उप–शीर्षकों पर केंद्रित हैः पुस्तकालय प्रबंधन सॉफ्टवेयर की अवधारणा, पुस्तकालय प्रबंधन, सॉफ्टवेयर नाइजीरियाई पुस्तकालयों में सॉफ्टवेयर उपयोग का संक्षिप्त इतिहास, अच्छे पुस्तकालय प्रबंधन सॉफ्टवेयर की विशेषताएं, पुस्तकालय सॉफ्टवेयर का चयन औंर मानदंड, पुस्तकालय प्रबंधन सॉफ्टवेयर के उपयोग आने वाली बाधाएँ आदि। अंततः यह निष्कर्ष निकलता है कि, पुस्तकालय प्रबंधन समूह कोई भी उपयोंगी सॉफ्टवेयर की खोज करते समय जागरूक रहना रहना चाहिए औंर, सबसे विश्वसनीय सॉफ्टवेयर पर विचार–विमर्श किया जाना चाहिए अर्थात् उसका चयन किया जाना चाहिए जो उसके पुस्तकालयों की सूचना कि जरूरतों को अधिकाधिक रूप से पूरा कर सकें साथ ही, सबसे अच्छा, कम लागत और उपयोगकर्ताओं के अनुरूप पुस्तकालय सॉफ्टवेयर चयन की आवश्यकता होंती है। पुस्तकालयध्यक्षों एवं अन्य पुस्तकालय कर्मचारियों को उनकी क्षमता बढ़ाने, चयन करनें तथा क्रय कियें गए पुस्तकालय सॉफ्टवेयर को प्रभावी ढंग से चलानें के लिए शिक्षित एवं अच्छें सें प्रशिक्षित करने का प्रयास करना चाहिए।

Ale Victoria Fumilayo1 ; and Elçabeth Audu2, (2025) सूचना औंर संचार प्रौद्योगिकी (आईसीटी) माध्यम के आने सें पिछले कुछ दशकों में उचित जानकारी तक पहुँचने में अविश्वसनीय बदलाव का दौंर आया है, खास कर पुस्तकालय सेवायें एवं सुविधाओं का लाभ लेते हुए शिक्षण और शोध के संदर्भ में। हमारी आधुनिक व नवीन शिक्षण पद्धति पुरानी तकनीकों से भिन्न एवं आधुनिक पद्धति, जैसे पुस्तकालय क्रियाकलापों का कम्प्यूटरीकरण करनें में तेजी आ गया हैं। विशेष पुस्तकालय क्रियाकलापों में अधिग्रहण, धरावाहिक नियंत्रण, सूचीकरण, संचलन, औंर

आसान खोज शामिल हैं, जो पुस्तकालय विकास के दौर में मैन्युअल तकनीकों का इस्तेमाल करके किए जाते थे लेंकिन, आज के दिनों में पुस्तकालय सेवायें एवं सुविधाओं के स्वचालन ने पूरी दुनिया में अपना महत्वर्पूण स्थान बना लिया है, और इसी तरह छात्र–छात्रायें, शिक्षकों और शोधकर्ताओं के लिए सब सरल आसान हो गया हैं। यह अध्ययन नाइजीरियाई पॉलिटेक्निकों में स्वचालन सहायता सेवाओं के संदर्भ में पुस्तकालय उपयोगकर्ताओं की संतुष्टि की जाँच करता है। शिक्षण वातावरण में पुस्तकालय स्वचालन सेवाओं के कार्यान्वयन के लिए कुछ प्रमुख समस्याओं और जरूरतों पर ध्यान दिया गया है जो पठकों एवं शोंधकर्ताओं कि संतुष्टि को बढ़ावा दे सकते हैं। अध्ययन में पाया गया कि व्याख्याताओं और छात्र–छात्राओं सहित विभिन्न पुस्तकालय उपयोगकर्ता अपने संस्थानों द्वारा प्रदान की जाने वाली पुस्तकालय सेवाओं से अत्याधिक असंतुष्ट हैं। असंतोष का यह उच्च स्तर सेवाओं की खराब प्रकृति या उनके संस्थानों में स्वचालन सुविधाओं के अभाव में गहराई से निहित था। फलस्वरूप, उपयोंगकर्ताओं के लिए कुछ सुझाव दिए गए कि वे स्वचालन सुविधाओं के विकास में निवेश करें ताकि उपयोगकर्ताओं की संतुष्टि के लिए सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार हेतु संसाधनों के उपयोग को प्रोत्साहित किया जा सके।

अध्ययन का उद्देश्य

1. छत्तीसगढ़ के रायपुर, बिलासपुर एवं दुर्ग संभागों में पॉलिटेक्निक महाविद्यालयों के पुस्तकालयों में पुस्तकालय सॉफ्टवेयर के उपयोग के स्तर का विश्लेषण एवं अध्ययन करना।
2. इन संस्थानों में उपयोग किए जा रहे पुस्तकालय सॉफ्टवेयर के प्रकारों की पहचान करना और उनकी प्रमुख विशेषताओं पर विचार–विमर्श करना।
3. पुस्तकालय प्रबंधन एवं कार्यों, जैसे कैटलॉगिंग एवं खोंज, संचलन और डिजिटल संसाधनों के प्रबंधन में सुधार के लिए पुस्तकालय सॉफ्टवेयर की प्रभावशीलता का निर्धारण औंर व्याख्या करना।
4. पुस्तकालय सॉफ्टवेयर को अपनाने और उपयोग करने में पुस्तकालय पेशेवरों के सामने आने वाली चुनौतियों और समस्याओं का पता लगाना।
5. पुस्तकालय सॉफ्टवेयर के उपयोग और प्रभावशीलता के संबंध में पुस्तकालयाध्यक्षों और पुस्तकालय कर्मचारियों के दृष्टिकोणों का पता लगाना।
6. पॉलिटेक्निक महाविद्यालयों के पुस्तकालयों में पुस्तकालय सॉफ्टवेयर के उपयोग और उपयोग के संदर्भ में बेहतर सुधार के लिए अनुशंसा एवं मार्गदर्शन प्रदान करना।

अनुसंधान क्रियाविधि

इस अध्ययन के लिए पुस्तकालयों का पता लगाने हेतु, आधिकारिक सरकारी और शैक्षणिक संस्थानों की वेबसाइटों से पॉलिटेक्निक कॉलेजों की सूची ली गई थी। पुस्तकालय सॉफ्टवेयर को अपनाने और उपयोग करने के संबंध में प्राथमिक डेटा प्राप्त करने के लिए, शोधकर्ता ने रायपुर संभाग के अंतर्गत 6 और बिलासपुर संभाग के अंतर्गत 5 एवं दुर्ग 2 पॉलिटेक्निक कॉलेजों का चयन किया था, इस प्रकार कुल 13 संस्थान बने। ईमेल, डाक और व्यक्तिगत मुलाकातों के माध्यम से कुल 13 प्रश्नावलियाँ भेजी गईं, जिनमें से 100 प्रतिशत उत्तर प्राप्त हुए। एकत्रित डेटा को तालिकाओं और चार्ट के रूप में प्रदर्शित किया गया है, जबकि डेटा विश्लेषण SPSS सॉफ्टवेयर और MS Excel का उपयोग करके किया गया था।

कार्यक्षेत्र

कार्यक्षेत्र छत्तीसगढ़ के रायपुर, बिलासपुर तथा दुर्ग संभाग तक सीमित है। रायपुर संभाग से छह सरकारी पॉलिटेक्निक कॉलेज और बिलासपुर संभाग से पाँच औंर दुर्ग संभाग सें दो पॉलिटेक्निक कॉलेज चुनें।

रायपुर
1. केंद्रीय प्लास्टिक इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी संस्थान।
2. शासकीय सह–शिक्षा पॉलिटेक्निक रायपुर।

	3. शासकीय कन्या पॉलिटेक्निक रायपुर।
	4. शासकीय पॉलिटेक्निक भाटापारा।
	5. शासकीय पॉलिटेक्निक गरियाबंद।
	6. शासकीय पॉलिटेक्निक बलौदाबाजार।
बिलासपुर	7. एसआईटी इंस्टीट्यूट ऑफफार्मास्युटिकल साइंस।
	8. शासकीय पॉलिटेक्निक तखतपुर।
	9. शासकीय पॉलिटेक्निक बिलासपुर।
	10. शासकीय कन्या पॉलिटेक्निक बिलासपुर।
	11. शासकीय पॉलिटेक्निक मुंगेली।
दुर्ग	12. यूपीयू शासकीय पॉलिटेक्निक, दुर्ग।
	13. गर्ल्स पॉलिटेक्निक, राजनांदगांव।

विश्लेषण और व्याख्या

रायपुर, बिलासपुर तथापि दुर्ग संभाग के पॉलिटेक्निक कॉलेज पुस्तकालयों से एकत्रित जानकारी की विधिवत तुलना की गई ताकि वर्तमान में पुस्तकालय सॉफ्टवेयर अपनाने की स्थिति को समझा जा सके।

तालिका 1 और चित्र 1 रायपुर, बिलासपुर एवं दुर्ग क्षेत्रों के उन पॉलिटेक्निक कॉलेज पुस्तकालयों का प्रतिशत दर्शाते हैं जिन्होंने पुस्तकालय सॉफ्टवेयर लागू किया है, जबकि उन पुस्तकालय पुस्तकालयों का प्रतिशत जिनमें कोई पुस्तकालय सॉफ्टवेयर नहीं है। 70 प्रतिशत पुस्तकालयों ने पुस्तकालय सॉफ्टवेयर लागू किया है, जो पुस्तकालय प्रबंधन में स्वचालन और डिजिटलीकरण के प्रति उच्च प्राथमिकता को दर्शाता है। 30 प्रतिशत पुस्तकालय अभी भी बिना किसी पुस्तकालय सॉफ्टवेयर के काम कर रहे हैं, जिसके कारण वित्तीय बाधाएँ, तकनीकी अवसंरचना का अभाव, या नई तकनीक को अपनाने में प्रतिरोध जैसे कारण हो सकते हैं।

तालिका 1: पुस्तकालय सॉफ्टवेयर को अपनाया

लाइब्रेरी सॉफ्टवेयर को अपनाने की सीमा	उपयोग का प्रतिशत
लाइब्रेरी सॉफ्टवेयर का उपयोग करने वाले	70 प्रतिशत
लाइब्रेरी सॉफ्टवेयर का उपयोग न करने वाले	30 प्रतिशत

चित्र 1

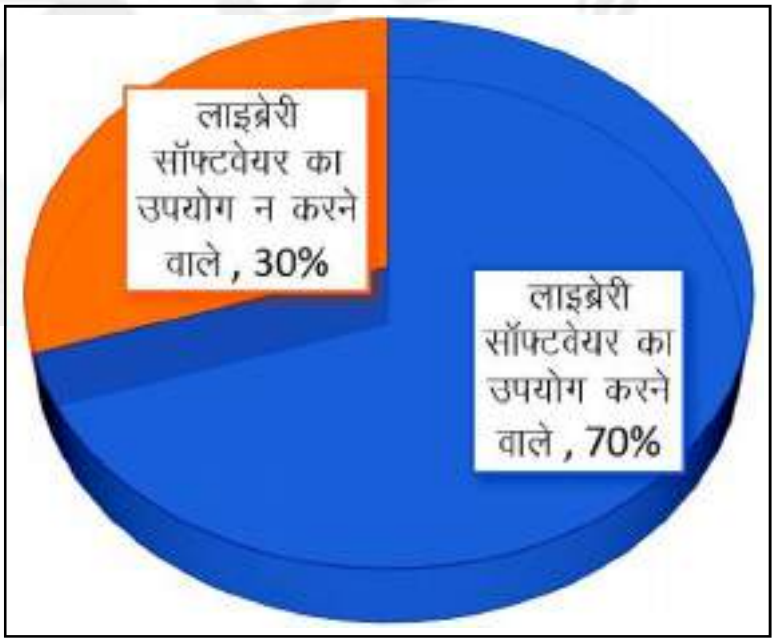

तालिका 2 अध्ययन से पता चलता है कि रायपुर, बिलासपुर एवं दुर्ग संभागों के पॉलिटेक्निक कॉलेजों द्वारा कोहा सबसे अधिक इस्तेमाल किया जाने वाला लाइब्रेरी सॉफ्टवेयर है, जिसका उपयोग 40 प्रतिशत पुस्तकालयों द्वारा किया जाता है। इसकी ओपन–सोर्स प्रकृति और अनुकूलन क्षमता ही इसे पसंद किए जाने के कारण हैं। INFLIBNET द्वारा निर्मित SOUL का उपयोग 27 प्रतिशत लोग करते हैं, और इसकी भारतीय शैक्षणिक संस्थानों के साथ अनुकूलता के लिए इसकी सराहना की जाती है। NIC द्वारा प्रायोजित ई–ग्रंथालय का उपयोग 20 प्रतिशत है, जो मुख्य रूप से सरकारी कॉलेजों में होता है। अन्य 15 प्रतिशत संस्थान वैकल्पिक सॉफ्टवेयर समाधानों का उपयोग करते हैं, जो वाणिज्यिक और स्थानीय रूप से विकसित दोनों हैं। निष्कर्ष लागत–बचत, सरकारी–समर्थित और ओपन–सोर्स विकल्पों की ओर झुकाव दर्शाते हैं।

तालिका 2: पुस्तकालय सॉफ्टवेयर का उपयोग

लाइब्रेरी सॉफ्टवेयर	उपयोग का प्रतिशत
Koha	40 प्रतिशत
SOUL	27 प्रतिशत
e-Granthalaya	20 प्रतिशत
Others	15 प्रतिशत

चित्र 2

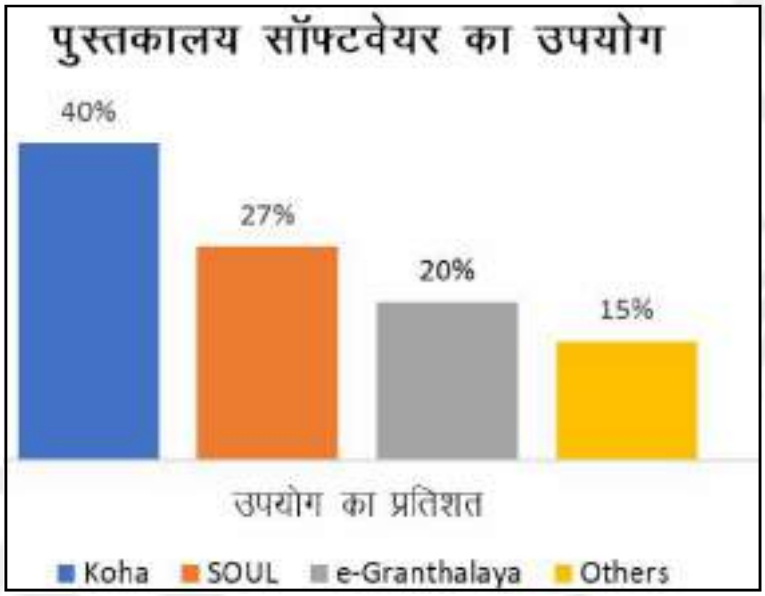

तालिका 3 रायपुर, बिलासपुर एवं दुर्ग संभागों के पॉलिटेक्निक कॉलेज पुस्तकालयों में लाइब्रेरी सॉफ्टवेयर के कार्यान्वयन में आने वाली प्रमुख समस्याओं का वर्णन करते हैं। सबसे महत्वपूर्ण समस्या बजट कि समस्या (35 प्रतिशत) थीं, उसके बाद प्रशिक्षण अंतराल (30 प्रतिशत) और संसाधनो का अभाव (25 प्रतिशत), ये सभी प्रभावी सॉफ्टवेयर कार्यान्वयन में बाधाएँ हैं। अन्य मुद्दे अच्छी इंटरनेट सुविधा कि (18 प्रतिशत) कमी हैं, विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में, और सॉफ्टवेयर सें जुड़ाव (15 प्रतिशत), जो वर्तमान प्रणालियों के साथ एकीकरण को मुश्किल बनाती है। प्रशासनिक अकुशलता (12 प्रतिशत) और परिवर्तन का विरोध (10 प्रतिशत) भी स्वचालन के लिए संस्थागत और व्यक्तिगत बाधाओं को प्रदर्शित करते हैं। परिणाम बताते हैं कि कार्यान्वयन न केवल पर्याप्त धन पर निर्भर है, बल्कि तकनीकी प्रशिक्षण, आईटी अवसंरचना और प्रशासनिक समर्थन पर भी निर्भर है।

तालिका 3: पुस्तकालय सॉफ्टवेयर अपनाने की चुनौतियाँ

चुनौतियाँ	प्रतिशत
बजट की समस्या	35 प्रतिशत
सॉफ्टवेयर ज्ञान का अभाव	30 प्रतिशत
संसाधनो का अभाव	25 प्रतिशत
आईटी सहायता का अभाव	18 प्रतिशत
प्रशिक्षण संबंधी समस्याएँ	15 प्रतिशत
प्रशासनिक अकुशलता	12 प्रतिशत
नवीन परिवर्तन का प्रतिरोध	10 प्रतिशत

चित्र 3

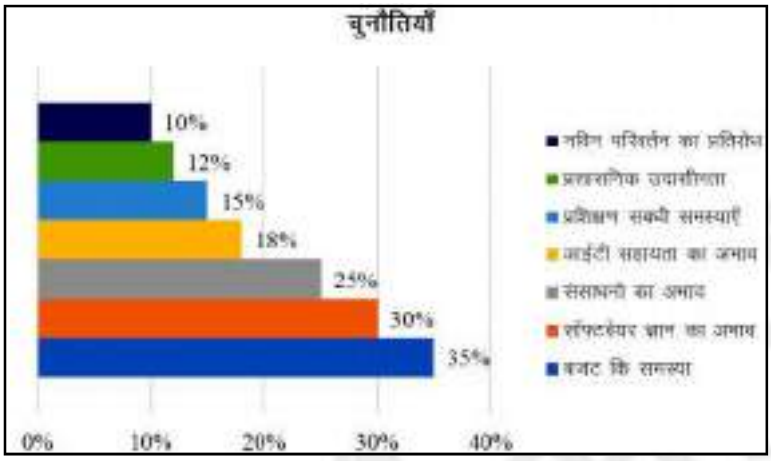

तालिका 4 रायपुर, बिलासपुर एवं दुर्ग संभागों के पॉलिटेक्निक कॉलेजों में पुस्तकालय कर्मचारियों का पुस्तकालय सॉफ्टवेयर के कार्यान्वयन के प्रति दृष्टिकोण दर्शाते हैं। अधिकांश उत्तरदाताओं (60 प्रतिशत) ने सकारात्मक दृष्टिकोण दिखाया, जो पुस्तकालय कार्यों में स्वचालित प्रणालियों के कार्यान्वयन और उपयोग के प्रति उत्साह और तत्परता को दर्शाता है।

दूसरी ओर, 30 प्रतिशत लोगों ने तटस्थ राय व्यक्त की, जो सॉफ्टवेयर के लाभों के प्रति अनिश्चितता या कम जानकारी को बताता है। एक अन्य छोटे वर्ग, 10 प्रतिशत ने नकारात्मकता को दर्शाया, जो संभवत प्रतिशत इलेक्ट्रॉनिक संसाधनों से अपरिचित होने या कार्यान्वयन के पूर्व नकारात्मक अनुभव के कारण था।

तालिका 4: सॉफ्टवेयर उपयोंग के प्रति पुस्तकालयाध्यक्षों की धारणाएँ

धारणा	प्रतिशत
सकारात्मक	60 प्रतिशत
तटस्थ	30 प्रतिशत
नकारात्मक	10 प्रतिशत

चित्र 4

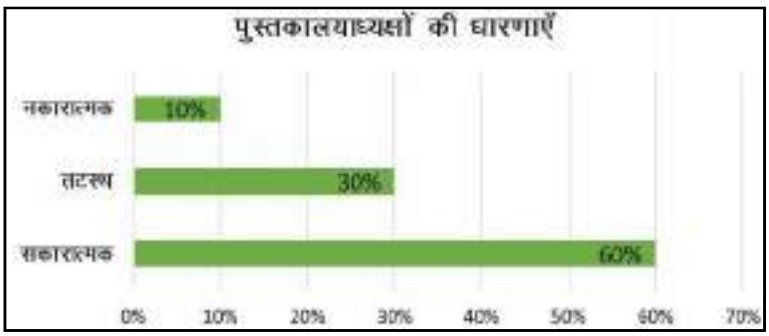

निष्कर्ष

शोध में रायपुर, बिलासपुर एवं दुर्ग क्षेत्रों के पॉलिटेक्निक कॉलेजों में पुस्तकालय स्वचालन सॉफ्टवेयर को अपनाने की स्पष्ट प्रवृत्ति का उल्लेख किया गया है। सर्वेक्षणों में शामिल 70 प्रतिशत संस्थान स्वचालित सॉफ्टवेयर अपना रहे हैं। उत्तरदाताओं नें कोहा सॉफ्टवेयर को सबसे पसंदीदा सॉफ्टवेयर कहां है। उसके बाद SOUL और ई–ग्रंथालय सॉफ्टवेयर का स्थान रहा, जो सरकार द्वारा ओपन–सोर्स सॉफ्टवेयर के प्रति भेंद–भाव को दिखाता है। इतना विकास होने के बावजूद, बजट की सीमाएँ, आईटी समर्थन की कमी, अपर्याप्त इंटरनेट कनेक्टिविटी और प्रशिक्षण की कमी जैसे समस्यायें आज भी मुख्य समस्यायें रहीं हैं। इसके अलावा, अभी कें अधिकांश पुस्तकालय कर्मचारियों का दृष्टिकोण सकारात्मक है, फिर भी अधिकांश लोग कम अनुभव अर्थात् कम अनुभव के कारण उदासीन एवं प्रतिरोधी हैं। पुस्तकालय सॉफ्टवेयर के प्रभावी और व्यापक अनुप्रयोग को प्रोत्साहित करने के लिए, शोध, अधिक धन, व्यापक प्रशिक्षण पाठ्यक्रम, तकनीकी सहायता तथा बेहतर प्रशासनिक सहायता का सुझाव देतें है। पॉलिटेक्निक कॉलेजों में पुस्तकालय स्वचालन और कुशल पुस्तकालय सेवाओं का सम्पूर्ण लाभ सुनिश्चित करने के लिए यह कदम आवश्यक हैं।

संदर्भ सूची

1. Ale Victoria Fumilayo[1] and Elizabeth Audu[2], (2025). User Satisfaction and Challenges in Automated Library Research Support Services: Evidence from Nigerian Federal Polytechnics,18 (1), 356-367.
2. Babuprasad, K. C. (2022). Impact of library automation services in govt. first grade college libraries in Kolar district: A survey. *IP Indian Journal of Library Science and Information Technology,* 6(2), 88–96. https://doi.org/10.18231/j.ijlsit.2021.019
3. Druskat, S., Bertuch, O., & Struck, A. (2023). Towards Research Software-ready Libraries. *ABI Technik*, *43*(3). https://doi.org/10.1515/abitech-2023-0031
4. https://egranthalaya.nic.in/, Accessed on 20/06/2025
5. https://egyankosh.ac.in/, Accessed on 22/06/2025
6. https://koha-community.org/, Accessed on 21/06/2025
7. https://soul.inflibnet.ac.in/, Accessed on 18/06/2025
8. https://www.inflibnet.ac.in/, Accessed on 16/06/2025
9. Japheth Abdulazeez YAYA, (2023) Effect of Library Management Software on the Growth and Development of Library Services, Library Philosophy and Practice(e-journal).8002. https://digitalcommons.unl.edu/libphilprac/8002, Accessed on 20/06/2025.

10. Kent] Allen (1997) Encyclopedia of Library and Information Science, Marcel Dekkar, New York.

11. Nur Amirah, S. A. S.; Nor Sa'adah, M. N. & Nurul Aini, N. Y. (2023) A study on the implementation of Koha cataloguing module in Malaysian academic libraries, *Malaysian Journal of Library and Information Science*, 28(1), p. 69-87, https://doi.org/10.22452/mjlis.vol28no1.5

12. Qasim, M. & amp; Shah, M. A. (2023) A Research on the Status and Challenges of Library Automation in the University Libraries of Faisalabad Division, Pakistan, *Journal of Social Sciences Review,* 3(1), 362–371. https://doi.org/10.54183/jssr.v3i1.174

****